इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 22 अगस्त 2026
वर्ष 18 अंक 350 मूल्य 4-00 रूपया पृष्ठ-12

जब तक आपका शरीर स्वस्थ्य और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पायेंगे?।
-चाणक्य

तापमान - अधिकतम 35.5°C (+2.3) न्यूनतम 27.6°C(+2.2) सेंसेक्स 77,540.83 (+003.11) निफ्टी 24,252.00 (+020.15) सोना 1,53,750 चांदी 2,55,000 मुद्रा - डालर 95.41 दिरहम 25.98 रियाल 25.44

भारत ही नहीं दुनिया के लिए चुनौती है डायबिटीज : प्रो. आलोक

- हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हाइपरटेंशन जैसी बीमारियां भी तेजी से बढ़ रहीं
- एरा यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया जा सकेगा

लखनऊ (ब्यूरो)। यूनिवर्सिटीज ऑफ वेस्टइंडीज में डिप्टी डीन और पीडियाटिक्स व इन्फेक्शियस डिजीज के प्रोफेसर आलोक कुमार ने कहा कि एरा यूनिवर्सिटी के साथ साइन हुए एमओयू से डिजिटल हेल्थ, मेडिकल रिसर्च और इनोवेशन को एक साथ जोड़कर मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रोक और हार्टअटैक जैसी बीमारियां भारत के साथ-साथ बारबाडोस और वेस्टइंडीज में भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में डिजिटल इनोवेशन और वैज्ञानिक रिसर्च के बेहतर इस्तेमाल से इन बीमारियों की रोकथाम, उपचार और मरीजों की देखभाल में महत्वपूर्ण सुधार किया जा सकता है।

प्रो. आलोक कुमार ने बताया कि वे मूल रूप से भारत के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि मैंने भारत से ही एमबीबीएस और एमडी की पढ़ाई की। वर्ष 1995 में वे वेस्टइंडीज गए और इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्टइंडीज से जुड़े। उन्होंने बताया कि न्यू कैरेबियन क्षेत्र की ये प्रमुख और उच्च रैंक वाली यूनिवर्सिटी है जिसके बारबाडोस, जमैका, त्रिनिदाद, बहामास और एंटीगुआ में कैंपस हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन से एरा यूनिवर्सिटी और उत्तर प्रदेश की आम जनता को चिकित्सा क्षेत्र में लाभ मिलेगा। साथ ही वेस्टइंडीज के लोगों के लिए भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीज केंद्रित चिकित्सा व्यवस्था विकसित करने में यह साझेदारी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि एरा यूनिवर्सिटी की बहुत सारी स्ट्रेंथ है, खास करके डिजिटल रिसर्च में। रिसर्च जिसमें डिजिटाइजेशन का रोल हेल्थकेयर के प्रोविजन में, पेशेंट केयर में कैसे उसको यूज किया जा सकता है, इसमें काफी रिसर्च है उनके पास। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टइंडीज की सबसे बड़ा ताकत यह है कि हम रिसर्च में काफी आगे हैं। बहुत दिन से रिसर्च में हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टइंडीज बहुत पुराना यूनिवर्सिटी है।